बिना मथले न निकली

बिना मथले न निकली रतन हीरा

ध्रुव जी मथले प्रह्लाद जी मथले
नारद जी मथले बजाय विना,
बिना मथले न निकली,

काठ के मथनियाँ से दहिया मथाला,
ज्ञान के मथनियाँ चलेला धीरा,
बिना मथले न निकली,

कहत कबीर सुन ए भाई साधो,
ए जीवन के मिट्टी अनमोल हीरा,
बिना मथले न निकली,

[Hemkant jha प्यासा
9831228059

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22020/title/bina-mathle-n-nikali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |